

वकील श्री

H.K.L.

- 1 वाद अन्दर मियाद पेश किया है।
- 2 न्यायालय के श्रवणाधिकार का है।
- 3 नियमानुसार उचित कोर्ट फीस पर पेश किया है।
- 4 प्रतिवादीगण का पूर्ण पता अंकित है।
- 5 वाद पत्र की प्रतियां वाद के साथ संलग्न है।
- 6 वादी का शपथ पत्र संलग्न है।
- 7 तलवाना उचित कोर्ट फीस पर प्रस्तुत किया है तथा नोटिस के साथ वाद पत्र की प्रतियां संलग्न है।
- 8 पर्याप्त वाद हेतुक दर्शाया गया है।
- 9 वाद पत्र के साथ नवीनतम आवश्यक राजस्व रेकार्ड संलग्न है।

हस्ताक्षर रीडर

रिपोर्ट सरिस्ता देखी गयी। वादी वकील उपस्थित है। वाद दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को नोटिस जारी किये जावें। पत्रावली वास्ते जवाब दिनांक 24/11/22 को पेश हो।

H.K.L.
22/11/22
उपखण्ड अधिकारी
मनोहरथाना

24/2/22 पत्रावली पेश हुई। बार संघ द्वारा हड़ताल/शोकसभा/न्यायिक फीस कार्य स्थगित रखा गया है। पीठासीन आज़ा से अधिकारी महोदय/मुनाब/अन्य राजस्व कार्य प्रपत्र/अवकाश में पधारने से पत्रावली दिनांक 16/03/22 को पेश हो। सहायक कलेक्टर मनोहरथाना

13/4/22

~~पत्रावली पेश हुई। बार संघ द्वारा हड़ताल/शोकसभा/न्यायिक फीस कार्य स्थगित रखा गया है। पीठासीन आज़ा से अधिकारी महोदय/मुनाब/अन्य राजस्व कार्य प्रपत्र/अवकाश में पधारने से पत्रावली दिनांक 24/5/22 को पेश हो। सहायक कलेक्टर मनोहरथाना~~

24/5/2022 पत्रावली पेश हुई। बार संघ द्वारा हड़ताल/शोकसभा/न्यायिक फीस कार्य स्थगित रखा गया है। पीठासीन आज़ा से अधिकारी महोदय/मुनाब/अन्य राजस्व कार्य प्रपत्र/अवकाश में पधारने से पत्रावली दिनांक 29/6/2022 को पेश हो। सहायक कलेक्टर मनोहरथाना

29/6/22

पत्रावली पेश हुई। बार संघ द्वारा हड़ताल/शोकसभा/न्यायिक फीस कार्य स्थगित रखा गया है। पीठासीन आज़ा से अधिकारी महोदय/मुनाब/अन्य राजस्व कार्य प्रपत्र/अवकाश में पधारने से पत्रावली दिनांक 3/8/22 को पेश हो। सहायक कलेक्टर मनोहरथाना

3/8/2022

पत्रावली पेश हुई। बार संघ द्वारा हड़ताल/शोकसभा/न्यायिक फीस कार्य स्थगित रखा गया है। पीठासीन आज़ा से अधिकारी महोदय/मुनाब/अन्य राजस्व कार्य प्रपत्र/अवकाश में पधारने से पत्रावली दिनांक 14/9/2022 को पेश हो। सहायक कलेक्टर मनोहरथाना

14/9/22

पत्रावली पेश हुई। बार संघ द्वारा हड़ताल/शोकसभा/न्यायिक फीस कार्य स्थगित रखा गया है। पीठासीन आज़ा से अधिकारी महोदय/मुनाब/अन्य राजस्व कार्य प्रपत्र/अवकाश में पधारने से पत्रावली दिनांक 9-11-22 को पेश हो। सहायक कलेक्टर मनोहरथाना

14 ⁷/₂₅ पत्रावली पेशा 33 / पत्रावली, नारी संस्कार/पैरोकार
 उपस्थित/पत्रावली पुनर्निर्देशानुसार
 दिनांक 13/8/25 को पेशा हो।
 उपस्थित अधिकारी
 मनोहरथाना

13 ⁸/₂₅ पत्रावली पेशा 33 / पत्रावली, नारी संस्कार/पैरोकार
 उपस्थित/पत्रावली पुनर्निर्देशानुसार
 दिनांक 13/8/25 को पेशा हो।

उपस्थित अधिकारी
मनोहरथाना, जिला झालावाड

28 ²/₂₅ पत्रावली पेशा 33 / बार गंध द्वारा हड़ताल/शोकसभा/
 शायिक पेशी कार्य स्थगित रखा गया है। पीठासीन आदेश से
 अधिकारी महोदय पुनाप/अन्य राजस्व कार्य
 रण/अवकाश से पत्रावली से पत्रावली
 दिनांक 25/9/25 को पेशा हो।

25 ⁹/₂₅ पत्रावली पेशा / अभिप्राय वादी एवं पैरोकार
 सरकार 340 / पत्रावली वाले वएस
 दिनांक 07.10.25 को पेशा हो।

उपस्थित अधिकारी
मनोहरथाना, जिला झालावाड

07 ¹⁰/₂₅ पत्रावली पेशा / अभिप्रायकारण पेशा।
 वएस पत्रावली सुनी गई। प्रार्थना पत्र
 प्राप्ति स्कारिज निर्णीत किया जाता है।
 विस्तृत डैपला प्रथम से लिखवाया
 जाकर संलग्न पत्रावली है। पत्रावली
 फसल शुक्रा होत्र वाद तकमील नम्बर
 से कम होकर दायिल दफतर हो।

उपस्थित अधिकारी
मनोहरथाना, जिला झालावाड

34

प्रकरण संख्या :- 03 / 22
उनवान :- मोजीराम बनाम सरकार
निर्णय दिनांक :- 07.10.2025

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलेक्टर मनोहरथाना
जिला झालावाड़

पीठासीन अधिकारी:- पुष्कर कुमार मित्तल (आर.ए.एस.)
प्रकरण संख्या :- 03 / 22
दायर दिनांक :- 24.01.2022
निर्णय दिनांक:- 07.10.2025
उनवान :- मोजीराम
बनाम
सरकार

प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956

उपस्थित :- 1 श्री घनश्याम मीणा नायब तहसीलदार सरकार पैरोकार
2 श्री अशोक कुमार लववंशी, अधिवक्ता प्रार्थी

:- निर्णय :-

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है, प्रार्थी मोजीराम पिता जय किशन जाति लोधा निवासी सेहतखेडी तहसील मनोहरथाना ने जरिए अधिवक्ता न्यायालय के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि ग्राम समरोल की खाता संख्या नया 152 (पुराना 127) की खसरा संख्या 192, 193, 195 कुल किता 03 की 1.6916 हेक्टेयर भूमि प्रार्थी एवं सहखातेदारान के शामिल खाते दर्ज रिकार्ड है।

प्रार्थना पत्र में उल्लेख किया गया है कि उक्त भूमि के राजस्व अभिलेखों में प्रार्थी का नाम "नंदा" दर्ज हो रहा है, जो लिपिकीय त्रुटि और गलत है। वास्तव में प्रार्थी का नाम "मोजीराम पिता जयकिशन" है, जैसा कि ग्राम सेहतखेडी के खाता संख्या नया 70 व खाता संख्या नया 69 एवं ग्राम मानपुरा जावर के खाता संख्या नया 40 तथा आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड एवं बैंक पासबुक आदि सरकारी दस्तावेजों में प्रमाणित है।

आगे प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि प्रार्थी के नाम की इस त्रुटि के कारण प्रार्थी को सरकारी सुविधाएं प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है एवं उन्हें मानसिक कष्ट भी हो रहा है। प्रार्थी ने तहसीलदार मनोहरथाना को नाम संशोधन हेतु प्रार्थना पत्र दिया था, किन्तु कोई उचित कार्यवाही नहीं हुई।

अतः प्रार्थी ने न्यायालय से अनुरोध किया है कि ग्राम समरोल तहसील मनोहरथाना के उक्त खसरा नंबरों में प्रार्थी का नाम "फूलचंद पिता नन्दा" के स्थान पर " मोजीराम पिता जेकिशन " संशोधित किया जाए और राजस्व




अभिलेखों में इसका संशोधन प्रभावी रूप से अमल में लाया जाए। साथ ही न्यायालय से प्रार्थी को आवश्यक व्यय, वाद के खर्च और अन्य न्यायोचित सहायता प्रदान करने की भी प्रार्थना की गई है। प्रार्थी ने इस प्रार्थना-पत्र के साथ शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया है।

इस प्रार्थना-पत्र को न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर मनोहरथाना में प्रस्तुत किया गया था। जिसे दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को तलब किया गया। बहस सुनी गई।

हमने पत्रावली एवं पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजी साक्ष्य का गौरपूर्वक अवलोकन किया तथा उभयपक्ष की बहस पर मनन किया। प्रार्थी का कथन है कि उक्त भूमि के राजस्व अभिलेखों में प्रार्थी का नाम "नंदा" दर्ज हो रहा है, जो लिपिकीय त्रुटि और गलत है। वास्तव में प्रार्थी का नाम "मोजीराम पिता जयकिशन" है, जैसा कि ग्राम सेहतखेडी के खाता संख्या नया 70 व खाता संख्या नया 69 एवं ग्राम मानपुरा जावर के खाता संख्या नया 40 तथा आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड एवं बैंक पासबुक आदि सरकारी दस्तावेजों में प्रमाणित है। उक्त कथन के समर्थन में प्रार्थी द्वारा ऐसा कोई दस्तावेज साक्ष्य के रूप में पेश नहीं किया गया है, जिससे सिद्ध होता हो कि "फूलचंद पिता नन्दा" व " मोजीराम पिता जेकिशन " एक ही व्यक्ति है। तथा पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजी साक्ष्यों से यह स्पष्ट होता है कि ग्राम समरोल के खाता संख्या नया 152 (पुराना 127) की कुल आराजी 1.6916 हैक्टेयर में प्रार्थी का नाम नामा0 संख्या 138 बेचान दिनांक 12.03.1984 में फूलचंद पिता जैकिशन रिकॉर्ड में दर्ज है। जबकि प्रार्थी द्वारा उक्त तथ्यों को छिपाया गया है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रार्थी स्वच्छ हाथों से न्यायालय के समक्ष नहीं आये है तथा तथ्यों को छुपाकर एवं गुमराह कर अपना नाम परिवर्तन का प्रार्थना-पत्र न्यायालय के समक्ष लाए है। अतः प्रार्थना-पत्र प्रार्थी खारिज निर्णित किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद तकमील नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया तथा न्यायालय की मोहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।


(पुष्कर कुमार मित्तल)
उपखण्ड अधिकारी एवं
सहायक कलक्टर, मनोहरथाना